

Chapter-2

Date:

P. No:

भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

प्रश्न 1 अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को सभ्यता, प्राथमिक क्षेत्र (i) द्वितीयक क्षेत्र (ii) तृतीयक क्षेत्र (iii) प्राथमिक क्षेत्र, उत्तर (i)

पृष्ठ हम प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करते हैं, करके (पानी, वायु, मिट्टी) सुसंगतता। किसी वस्तु का उत्पादन करते हैं, तो इसे प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधि कहें जाता है, इसे कृषि क्षेत्र भी कहते हैं।
उदा: कृषि, पशुपालन, मछली पालन वन उत्पाद आदि।

2023

(ii) द्वितीय क्षेत्रक :-

प्राकृतिक उत्पादों को, विनिर्माण प्रणाली के पारिष्टात्मक रूपों में परिवर्तित किया जाता है, इसे द्वितीय क्षेत्र की गतिविधि कहते हैं, इसे औद्योगिक क्षेत्रक भी कहा जाता है।

उदा: (i) गन्ने से शक्कर बनाना।

(ii) कपास से वस्त्र बनाना।

(iii) तृतीयक क्षेत्र :-

प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों की वस्तुओं का आदान-प्रदान करना तृतीयक क्षेत्र की गतिविधि है, इसे सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है।

उदा: कारखानों में निमित्त वस्तुओं का धारण तक पहुँचाना, मातामता के साधन, शिक्षा स्वास्थ्य, बैंक आदि।

प्रश्न-2 सकल घरेलु उत्पाद (GDP) किसे कहते हैं;
 उत्तर सकल घरेलु उत्पाद :- किसी विशेष वर्ष में प्रत्येक क्षेत्र के द्वारा आनिता वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य उस वर्ष में क्षेत्र के कुल उत्पादन की जानकारी प्रदान करता है।

तीन क्षेत्रों के उत्पादों के योगफल को देश का सकल घरेलु उत्पाद कहते हैं।

प्रश्न-3 खुली (प्रामाण्य) बेरोजगारी किसे कहते हैं;
 उत्तर खुली बेरोजगारी :- जब व्यक्ति काम करने की इच्छा रखता हो लेकिन फिर भी उसे काम न मिले उसे खुली बेरोजगारी कहते हैं।

प्रश्न-4 प्रचन्न बेरोजगारी (आप्रत्यक्ष) बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं;
 उत्तर प्रचन्न बेरोजगारी :- जब लोग प्रामाण्य रूप से काम करते फिरवा रहे हैं, किन्तु वास्तव में उनकी उत्पादकता शून्य होती है, अर्थात् यदि उनकी काम से हाटा दिया जाये तो भी उत्पादकता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। ऐसी स्थिति को प्रचन्न बेरोजगारी कहते हैं।

उदा :- ग्रामीण क्षेत्रों में छोटी सी पमीन पर परिवार के सभी सदस्यों का काम करना तथा शहरी क्षेत्र में छोटी सी दुकान पर परिवार के सदस्यों का काम करना प्रचलित बेरोजगारी के उपायों में

प्रश्न-3 तृतीयक क्षेत्रक अन्य क्षेत्रों से कैसे भिन्न है?

उत्तर - अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्र होते हैं। प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र तथा तृतीयक क्षेत्र। तृतीयक क्षेत्र प्रिसे-सेवा क्षेत्र भी कहते हैं, जो अन्य दो क्षेत्रों से भिन्न है। क्योंकि प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों में वस्तुओं का निर्माण होता है, जबकि तृतीयक क्षेत्र में नहीं। तृतीयक क्षेत्र केवल अन्य दो क्षेत्रों द्वारा उत्पादित वस्तुओं का आदान-प्रदान करता है।

प्रश्न-4 असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों का शोषण होता है? क्या इससे सहमित है?

उत्तर - हाँ असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों का शोषण होता है, इस क्षेत्र में मजदूरों के काम करने का समय निश्चित नहीं होता है, साथ ही विमा, सुरक्षा, भविष्य, निष्ठा, पेन्शन, छुट्टी आदि नहीं मिलता है। और श्रमिकों को कम वेतन दिया जाता है।

प्रश्न-6 संगठित और असंगठित क्षेत्रों में विद्यमान रोजगार परिस्थितियों की तुलना कीजिए।

सार	संगठित क्षेत्र	असंगठित क्षेत्र
①	वह क्षेत्र जो सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं, संगठित क्षेत्र कहलाता है।	① वह क्षेत्र जो सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं होते हैं, असंगठित क्षेत्र कहलाता है।
②	इसमें सरकार के नियमों का पालन किया जाता है।	② इसमें सरकार के नियमों का पालन नहीं किया जाता है।
③	इसमें कार्य करने का समय निश्चित होता है।	③ इसमें कार्य करने का समय अनिश्चित होता है।
④	इसमें कार्यमंचरियों को सुरक्षा, भविष्य निधि, विमा, पेन्शन आदि मिलती है।	④ इसमें कार्यमंचरियों को सुरक्षा, भविष्य निधि, विमा, पेन्शन आदि नहीं मिलती है।

प्रश्न-8 आपके विचार से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार ग्यारन्टी आदि नियम [मन रेगा] का काम का अधिकार क्यों कहा गया है।

उत्तर: मन रेगा को काम का अधिकार इसलिए कहा गया है, क्योंकि इसके अन्तर्गत उन सभी लोगों को जो काम करने में शक्ति हैं।

अगर पिछे काम की परवरत हो।
उन्हे सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रो में।
सोष्ट दिन के रोपगार को गमारणा
ही गई है, यदि सरकार रोपगार
उपलब्ध करने में असमर्थ असफल।
रहती है, तो वह लोगो को बेरोपगार
मानता देती है।

प्रश्न-10 शहरी क्षेत्रो में रोपगार में वृद्धि कैसे
की जा सकती है।
उत्तर शहरी क्षेत्रो में बेरोपगारी कम करने
के उपम -

- (i) लोगो को ट्रेनिंग के द्वारा शुशल
बनाना।
- (ii) शिक्षा के स्थार में सुधार करना।
- (iii) व्यक्तिगो को लगु या कुटिर उद्योगो
से जोडना।
- (iv) भिन्न क्षेत्रो में सरकार द्वारा रोज रोपगार
के अवसर पैदा करना।

प्रश्न-11 स्वामित्व के आधार पर उद्योग कितने
प्रकार के होते हैं?

उत्तर स्वामित्व के आधार पर उद्योग -
तीन प्रकार के होते हैं।

- (i) सरकारी उद्योग
- (ii) निजी उद्योग
- (iii) सहकारी उद्योग।

① सरकारी उद्योग -

ऐसे उद्योग जिनपर सरकार का स्वामित्व रहता है, सरकारी उद्योग कहलाता है।

② निजी उद्योग :- ऐसी उद्योग जिनपर निजी व्यक्तियों या समूह का स्वामित्व होता है, निजी उद्योग कहलाता है।

③ सहकारी उद्योग :- ऐसे उद्योग जो सामितियों द्वारा चलाए जाते हैं, सहकारी उद्योग कहलाते हैं।

प्रश्न 12 प्राथमिक क्षेत्र को कृषि एवं सह्यक क्षेत्र कहा जाता है?

उत्तर हम आधिकांश प्राकृतिक उत्पाद कृषि, डेरा, मछली पालन और वनों से प्राप्त करते हैं, इसलिए प्राथमिक क्षेत्र को सह्यक कृषि क्षेत्र भी कहते हैं।

प्रश्न 13 द्वितीयक क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र कहा जाता है?

उत्तर द्वितीयक क्षेत्र विभिन्न प्रकार के औद्योगिक से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसे औद्योगिक क्षेत्र भी कहा जाता है।

प्रश्न-14 अन्तीम वस्तुओं एवं माध्यम वस्तु वस्तुओं से क्या आशा है,

उत्तर जिन वस्तुओं का इस्तमाल अन्य वस्तुओं के उत्पादन में निर्माण हेतु कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है, इसी वस्तु पर माध्यम वर्ति वस्तु कहलाती है।

प्रश्न-15 तृतीयक क्षेत्र को रेगा क्षेत्र क्यों कहा जाता है,

उत्तर परिवहन, भंडारण, संचार, बैंक, सेवाएँ और व्यापार तृतीयक गतिविधियों के उत्पादन है। चूँकि ये गतिविधियाँ वस्तु के वजार सेवाओं का सृजन करती हैं। इसलिए तृतीयक क्षेत्र को सेवा क्षेत्र कहा जाता है।

प्रश्न-16 प्रथमिक, द्वितीयक, और तृतीयक क्षेत्र परस्पर एक - दूसरे पर निराश्रित हैं, इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 16 प्रथमिक क्षेत्र को उच्च उत्पादनात्मक बनाने एवं वितरण के लिए नया तकनीकी व परिवहन का अवश्यता होता है, विनिर्माण उद्योग के लिए कच्चा माल प्रथमिक क्षेत्र से ही प्राप्त होता है।

प्रथमिक क्षेत्र एवं द्वितीयक क्षेत्र की सहयता से ही सेवा क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

जिसने धेड़किया, मातृमत, भांडारण
 आदि तीनों क्षेत्र परस्पर निर्भर हैं,
 किसी एक की भी अनुपस्थिति
 का सम्मेलन नकारात्मक प्रचलित
 द्वितीय तृतीयक एक दूसरे पर
 निर्भर हैं।

प्रश्न 19 मनरेगा 2005 के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए
 मनरेगा को काम का अधिकार
 कहा जाता है,
 तथा इसका उद्देश्य ग्रामीण लोगों को
 जो काम करने में सक्षम है,
 उन्हें रोजगार देना है, जिससे ग्रामीण
 क्षेत्रों में बेरोजगारी कम होगा रोजगार
 के अवश्य बड़े और सभ्य में विचार
 होगी।